

[ध्यान की अवधारणा] [CONCEPT OF MEDITATION]

'मन का स्वभाव है कि वह एक स्थान पर स्थिर नहीं होता परितर्क एवं चलापमान अवस्था में रहता है, मन के इस विकृत एवं परिवर्तनशील स्वरूप को एक निश्चित बिन्दु पर केन्द्रित करने के लिए की ध्यान की अवधारणा का उदय हुआ।

MEANING

प्रो. एस. के. दुबे - "ध्यान एक ऐसी मानसिक प्रक्रिया है जिसमें अष्टांगमय एवं भौतिक विकास हेतु मन की स्थिरता एवं रूपाग्रता का विकास किया जाता है जिससे व्यक्ति मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ दृष्टिगोचर होता है।

ध्यान के प्रकार [Types of Meditation]

- 1- आसन 2- प्राणायाम 3- विचार दर्शन 4- विचार स्तब्धता
- 5- विचार विसर्जन

[ध्यान को प्रभावित करने वाले कारक] [Factors Affecting to Meditation]

[आन्तरिक कारक] [Internal Factor]

- 1- आवश्यकता (Need)
- 2- रुचि (Interest)
- 3- लक्ष्य (Goal)
- 4- सूझ या समझ (Understanding)
- 5- आदत (Habit)
- 6- मानसिक दृढ़ता (Mental Condition)
- 7- पूर्व-ज्ञान (Previous Knowledge)

[बाह्य कारक] [External Factor]

- 1- उद्दीपक की प्रकृति
- 2- उद्दीपक के उद्देश्य
- 3- अवधि
- 4- उद्दीपक की स्थिति
- 5- उद्दीपक की तीव्रता
- 6- विषयता
- 7- नवीनता
- 8- उद्दीपक का आकार
- 9- पुनरावृत्ति
- 10- शैल्यात्मकता

[रुचि [Interest]

↳ रुचि (Interest) $\xrightarrow[\text{लैटिन}]{\text{उत्पत्ति}}$ INTERESSE (महत्वपूर्ण होना या लगाव होना)

बी. एन. झा (B.N. Jha) :- "रुचि वह स्थिर मानसिक विधि है जो ध्यान क्रिया को सतत बनाये रखती है।

रुचि के प्रकार (Types of Interest)

[1]- जन्मजात रुचि (Inborn Interest) :- जन्मजात रुचियाँ मूल प्रवृत्तियों पर आधारित होती हैं।

[2]- अर्जित रुचि (Devised Interest) :- जब व्यक्ति के अन्दर किसी वस्तु, विचार या व्यक्ति के प्रति भाव सम्बन्ध उत्पन्न होता है तो वह उसके प्रति प्रतिक्रिया व्यक्त करता है जो धीरे-धीरे रुचि में परिवर्तित हो जाता है। जैसे - खेलना, कला, विज्ञान, साहित्य आदि का विकास

[रुचि परीक्षण] [Test of Interest] - Important

(1) व्यावसायिक रुचि का मापन

→ ① स्ट्रॉंग का व्यावसायिक रुचि प्रपत्र -
[1919 स्ट्रेन्गोर्ड विश्वविद्यालय में]

↳ इसमें 420 पदों के बाद में संशोधित करके 291 पद हुए जो 6 क्षेत्रों में मापन में प्रयोग होता है।

- 1- व्यवसाय - 107 पद, 5-लाग - 16 पद
- 2- विषय क्षेत्र - 46 पद, 6-विशेषताओं का मापन - 9 पद
- 3- क्रियाएँ - 85
- 4- अवकाशीय गतिविधि - 28

→ ② कूडर प्राथमिकता प्रपत्र परीक्षण -

- (1) व्यावसायिक प्राथमिकता प्रपत्र
- (2) शैक्षणिक प्राथमिकता प्रपत्र
- (3) व्यक्तिगत प्राथमिकता प्रपत्र

(2) सामान्य या अव्यवसायिक रुचि का मापन 21 / 30

- ④ जाच-सूची - मैंगजीन पढ़ना, रेडियो सुनना, खेल-खेलना क्लब जाना। इसमें कुछ चिह्न दी जाते हैं जिनमें 34 पुस्तकें, खेल आदि का नाम होता है।
- ⑤ प्रशास्की सूची - इसमें प्रत्येक विद्यालय शिक्षकों के सम्बन्धित कुछ पद संकलित किया जाता है जिससे माध्यम से रुचि मापन किया जाता है।
- ⑥ लेखन कला एवं विचार अभिव्यक्ति के द्वारा

- (c) बार्नरन खर्चे-अनुसूची - इसमें 100 व्यावसायिक श्रेणियों का शुभं है। यह दस सम्भावित श्रेणियों का मापन करती है।
 ① भौतिक ② विज्ञान ③ गणना ④ भाषा-विज्ञान ⑤ प्रशासन ⑥ कला
 ⑦ संगीत ⑧ अनुभव-आत्मक ⑨ सामाजिक ⑩ स्पर्श

- (d) जीस्ट चित्र खर्चे सूची - इसमें ग्यारह सामान्य क्षेत्रों में खर्चे का मापन करती है।
 ① लिपिक ② यान्त्रिक ③ वैज्ञानिक ④ सांख्यिक ⑤ कलात्मक
 ⑥ नाटकीय ⑦ अनुभव-आत्मक ⑧ संगीतात्मक ⑨ वाद्य ⑩ गणनात्मक
 ⑪ समाज सेवा

- (e) स. चर्जी असायिक प्राथमिकता प्रपत्र - इसमें 150 चित्रों वाले जो निम्न 10 क्षेत्रों में किया जाता है। यह के तीन विकल्प में है जो
 ① कला ② सांख्यिक ③ वैज्ञानिक ④ लिपिक ⑤ कृषि ⑥ तन्त्री
 ⑦ क्राफ्ट्स ⑧ वाद्य ⑨ खेल ⑩ गृहकार्य

- (f) आर.पी. सिंह खर्चे प्रपत्र - यह खर्चे प्रपत्र गिल्फोर्ड की श्रृंखला उपक्रम विधि पर आधारित है।
 (1) मॉडिक ② व्यापार ③ वैज्ञानिक ④ सौन्दर्य ⑤ सामाजिक
 ⑥ लिपिक ⑦ वाद्य

- (g) स. पी. कुलश्रेष्ठ व्यावसायिक खर्चे प्रपत्र - यह परीक्षण दस व्यावसायिक क्षेत्रों से सम्बन्धित 200 व्यावसायिकों का अध्ययन करता है।

Questions

[स्मृति (MEMORY)] → Important

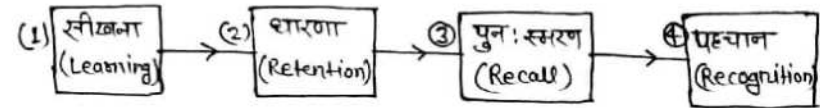
- जब हम किसी वस्तु को छूते, देखते, सुनते या सूँघते हैं तब अनुभव तब उस अनुभव को मस्तिष्क के जान केंद्र में पहुँचा देता है जान केंद्र में उस अनुभव की प्रतिमा बन जाती है जिसे छाप कहते हैं वास्तव में वह अनुभव का स्मृति चिह्न होती है।

MEANING

हिलगार्ड (Hilgard) : "स्मृति वह मानसिक प्रक्रिया है जिसमें अतीत में सीखे गये ज्ञान, अनुभव या कौशल का पुनः स्मरण किया जाता है।"

[स्मृति के अंग या स्मरण की प्रक्रिया या तत्व] → Important
 [PARTS OF MEMORY OR PROCESS OF REMEMBERING]

- WOODWORTH (वुडवर्थ) के अनुसार स्मृति के चार अंग हैं।



[स्मृति के प्रकार] [Types of Memory]

- ① तात्कालिक स्मृति [Immediate Memory]
- ② स्थायी स्मृति [Permanent Memory]
- ③ सक्रिय स्मृति [Active Memory]
- ④ रुत स्मृति [Rate Memory]
- ⑤ निष्क्रिय स्मृति [Passive Memory]
- ⑥ मनोवैज्ञानिक स्मृति [Psychological Memory]

[स्मृति की विशेषताएं या लक्षण] Characteristics of Memory

- 1 - शीघ्र याद होना [Quick Learning] ④ शीघ्र एवं स्पष्ट पहचानना
- 2 - उत्तम धारणा क्षमता [Good Retention] ⑤ अनवश्यक बातों को भूलना
- 3 - शीघ्र पुनः स्मरण [Quick Recall]

[अच्छी स्मृति के प्रभावी कारक] Effecting factors of Good Memory

- 1- आदत का नियम [Law of habit]-
- 2- निरन्तरता का नियम [Law of persistence]
- 3- परस्पर सम्बन्ध का नियम [Law of association of ideas]

(क) मुख्य नियम [Primary law]

- (a) समीपता का नियम
- (b) समानता का नियम
- (c) असमानता या विपरीत का नियम
- (d) खाँची का नियम

(ख) विचार साहचर्य के गौण नियम [Secondary law of association of ideas]

- (1) प्राथमिकता का नियम
- (2) नवीनता का नियम
- (3) आदृष्टि का नियम
- (4) स्पष्टता का नियम
- (5) मनोभाव का नियम

[विस्मरण या विस्मृति] FORGETTING

↳ किसी सीखी हुई वस्तु को स्मरण न कर सकना विस्मृति या विस्मरण कहलाती है।

हैबर - "विस्मृति का अर्थ है किसी अवसर पर प्रयत्न करने पर किसी पूर्व-अनुभव को याद करने या कुछ समय पहले सीखे किसी कार्य को करने में असफलता"।

मन - "ब्राह्मण किये गये तथ्यों को धारण न कर सकना विस्मृति है"।

[विस्मृति के प्रकार] Types of Forgetting

- (1) सक्रिय विस्मृति - किसी घटना को भूलने के लिए प्रयास करना।
- (2) निष्क्रिय विस्मृति - जब व्यक्ति किसी तथ्य या घटना को स्वयं भूल जाता है।

[विस्मृति के कारक या कारण] Factor or Cause of Forgetting

(क) सैद्धान्तिक कारण

- (1) वाह्य का सिद्धान्त
- (2) दमन का सिद्धान्त
- (3) अनभ्यास का सिद्धान्त

(ख) सामान्य कारण

- (1) समय का प्रभाव
- (2) विषय की मात्रा
- (3) विषय का स्वरूप
- (4) सीखने के दोषपूर्ण पद्धति
- (5) मानसिक अघात
- (6) मानसिक दून्द
- (7) मादक द्रव्यों का सेवन
- (8) मानसिक श्रेण
- (9) उत्साहान में इच्छा का अभाव
- (10) संवेगात्मक असंतुलन

विशेष

[A]. मापन [MEASUREMENT]

Ross (रास्) - "मापन रख परिमाणीकरण (अंड) प्रदान करने की प्रक्रिया है।"

गिल्फोर्ड (Gilford) - "निश्चित नियमों के अनुसार वस्तुओं या सतहों को ठीक प्रदान करना ही मापन है।"

शैक्षिक मापन के स्तर

- 1 - नामित स्तर (शाब्दिक) - इसमें अंकों का प्रयोग किया जाता है } मनो विज्ञान में
 2 - क्रमिक स्तर - इसमें रैंक (Rank) क्रम का पता चलता है } शैक्षिक मापन
 3 - अन्तराल स्तर - (वास्तविक शून्य बिन्दु नहीं होता है)
 4 - अनुपात स्तर - (वास्तविक शून्य बिन्दु होता है) → भौतिक मापन

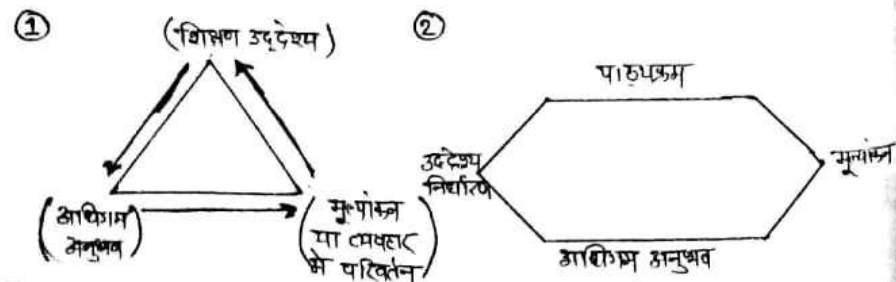
[6]- मूल्यांकन [EVALUATION] - मूल्य + अंश

- मूल्यों के अन्तर्गत किसी गुण, योग्यता या विशेषता का मूल्य निर्धारण किया जाता है, अर्थात् मूल्यों के द्वारा परिणामात्मक या गुणात्मक दोनों ही प्रकार की सूचनाएँ प्राप्त होती हैं।

कोठारी आयोज (1964-1966) -

"गुल्फांकन एक क्रमिक प्रक्रिया है। यह सम्पूर्ण शिक्षा प्रणाली का एक अभिन्न अंग है, और यह शिक्षण उद्देश्य से धनिष्ठ रूप से सम्बन्धित है।"

क्षैणिक मूल्यांकन की प्रक्रिया



चित्र:- ज्ञान इषुवी अनुसार
लौकिक मुष्पांजन की

चित्र - डा० पटेल के अनुसार
(चट्टमखी प्रक्रिया)

व्यापक मूल्यांकन

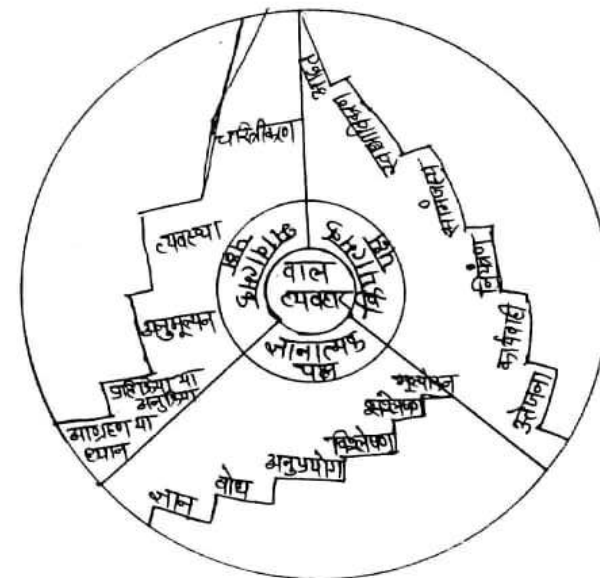
14. बालक के अविगम को किसी न किसी रूप में प्रभावित करने वाले स्थूल सूक्ष्म, प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, ज्ञान, अज्ञान अनेको पक्ष हैं जिनका मूल्यांकन करना व्यापक मूल्यांकन कहलाता है।

- व्यापक मूल्यांकन के विभिन्न पक्ष

- [1]- संज्ञानात्मक पक्ष

- [2]- भावात्मक पक्ष

- [3]- कौशलात्मक पहल / मनोक्रियात्मक पहल / क्रियात्मक पहल



Note

- 1956 ई० में B.S. Bloom अपनी पुस्तक 'शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण' (Taxonomy of Education objective) में शैक्षिक उद्देश्यों के तीन पक्ष बताए हैं।

- ↳ Bloom के अनुसार शैक्षिक उद्देश्यों को निम्नो प्रकार में वर्गीकृत किया है।

[क्रियाकलाप विधियाँ]
[ACTIVITY METHODS]

Sr No	विधियाँ (Methods)	जन्मदाता	विवरण
1	आगमन विधि	अरस्तू	
2	निगमन विधि	अरस्तू	
3	प्रश्नोत्तरी/सुझाती विधि	सुझात	
4	प्रोपेस्ट विधि	फिलिपेट्रिक	
5	खेल विधि	काल्डवेल कुक	
6	डाल्टन प्लान विधि	डॉ. डेवेल पार्स हर्स्ट	
7	हरवर्ट विधि	हरवर्ट	
8	फिण्डर गाईड	फ्रॉवेल	
9	माण्टेसरी विधि	मरिया माण्टेसरी	
10	खेवाट	प्येरो	
11	ह्यूरिस्टिक विधि	आर्मस्ट्रॉंग	'ह्यूरिस्को' = मैं खोजता हूँ
12	विनेटिका प्लान	डॉ. कार्लटन वाशबर्न	
13	चिन्हे द्वारा सिखना	टालमैन	
14	खेल से पूर्व अभिनय	मालब्रेन्स	
15			

- Note (1):-** कुछ शिक्षा-विदों ने खेल (Play) को बालकों के सर्वांगीण विकास तथा शिक्षण-उपलब्धि के लिए महत्वपूर्ण भूमिका के रूप में प्रस्तुत किया है।
- (2):-** क्रियाकलाप/खेल के विचार को शिक्षा के क्षेत्र में रखने वाला प्रथम शिक्षाविद् काल्डवेल कुक (Caldwell Cook) था।
- (3):-** रूसो (Rousseau) (1712-1778) को इस विचार का ~~प्रारम्भ~~ शिक्षा क्षेत्र में स्थापित करने वाला ~~प्रथम~~ प्रणेता कहा जा सकता है।

[BOOKS BASED ON CHILD PSYCHOLOGY]

Sr No	WRITER	BOOKS	DISCRIPTION (विवरण)
1	जान ड्यूवी (1896)	School or Society स्कूल एक संसदरी	प्रयोगात्मक विधि के बारे में है। इसमें कहा गया है - हम कैसे अच्छा सिखाते हैं।
2	B.S. Bloom (1956)	Taxonomy of Education objectives "बेसिड उद्देश्यों का वर्गीकरण"	
3	पिन्सोट	The Principle of Teaching Method	शिक्षा का सिद्धान्त पर
4			
5			
6			
7			
8			
9			
10			
11			